A1042

Name.....

Register No.....

NAIPUNNYA INSTITUTE OF MANAGEMENT AND INFORMATION TECHNOLOGY (AUTONOMOUS)

FIRST SEMESTER (FYUG) DEGREE EXAMINATION NOVEMBER 2025

HINDI

HIN1FA102(1) - ENHANCEMENT IN COMMUNICATION AND CREATIVE WRITING IN HINDI LANGUAGE -PART I

Time:One Hour and a Half | Maximum:50 marks

Section A

Answer the following

2 marks each, 10x2=20 with a ceiling of 16 marks

1. हिंदी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए | आज बहुत गर्मी हैं | CO2
2. सहुआइन कौन है? CO1
3. स्टेशन मास्टर औरत को क्या कहकर तसल्ली दे रहा है ? CO5
4. दिनकर कवि थे । इस वाक्य में गुणवाचक विशेषण पहचानिए । CO2
5. खाला ने जुम्मन को धमकी देते हुए क्या कहा? CO1
6. पंच परमेश्वर किसकी रचना है ? यह किस विधा की रचना है ? CO1
7. मसौदा समिति के अध्यक्ष कौन थे ? CO3
8. पंच परमेश्वर बनते ही व्यक्ति में कैसा परिवर्तन आता है? CO1
9. कवि ने 'बाल - विहंगिनी' से क्या तात्पर्य लिया है ? CO4
10. संविधान सभा के प्रमुख सदस्य कौन-कौन थे ? CO3

Section B

Answer the following

6 marks each, 5x6=30 with a ceiling of 24 marks

11. कविता की ज़रूरत क्यों है? CO1
12. भारत के संविधान के बारे में आप क्या जानते है? CO3

Turn Over

13. स्कूल कहानी का सारांश लिखिए । CO4

14. कविता "मैं दूँगा माकूल जवाब" का आशय स्पष्ट कीजिए। CO3

15. पंच परमेश्वर बनने पर जुम्मन शेख के जीवन में क्या परिवर्तन आया? CO1

Section C

Answer any one of the following

10 marks each

16. 'बहुत कुछ हो सकती है कविता ज़िन्दगी में, 'कविता की जरूरत' नामक कविता के संदर्भ में विचार प्रकट कीजिए। CO5

17. संक्षेपण कीजिए।

अजब परिवार है हमारा । तीन भाई बहन तीन देशों में बसे हैं। सब एक दूसरे के लिए तरसते रहते हैं। जब हुड़क तेज उठती हैं तो एक दूसरे को लम्बे लम्बे फोन कर लेते हैं, प्यार - भरे कार्ड भेजते हैं, अगले साल मिलने का वादा करते हैं तो कुछ दिनों को जी ठहर जाता है। पहले सब इकट्ठे रहते थे लखपत कोट का वह बड़ा मकान भी छोटा पड़ जाता । वहीं नौकरियाँ लगीं, वहीं शादियाँ हुई। बड़े भाई केन्द्रीय विद्यालय में शिक्षक नियुक्त हुए, बहन ट्रेनिंग कॉलेज में प्रशिक्षक, नीरद कपूरथला कॉलेज में लेक्चरर हो गया। भाई अखबारों का गहन अध्ययन करते थे। अमरजीत अखबार की तरफ ताकती भी नहीं थी, नीरद कॉलेज जाकर कई अखबारों की सुर्खियाँ देख लेता उसकी दिलचस्पी का क्षेत्र साहित्य था। उन्हीं दिनों भाई को कैनेडा जाने का रास्ता नजर आया। अखबार में वहाँ स्कूलों के लिए दर्जनों पद निकले थे। भाई- भाभी ने चार फॉर्म मंगा लिए घर में बड़ा बावेला मचा। बौजी और बीजी ने कहा, " दोनों भाई इकट्ठे चले जाओगे, हम किसके सहारे जिएँगे ? " भाई ने कहा, " अमरजीत है, पंकज है और आपकी सारी कबीलदारी यही है।" " बेटों का हाथ लगे बिना तो सरग भी नहीं मिलता, बीजी रोने लगीं। भाई बोले, "एक बार हम वहाँ जम जाएँ तो आप दोनों को भी बुला लेंगे, बल्कि अमरो और पंकज को भी वहीं काम दिला देंगे।" शाम को नीरद कपूरथला से लौटा तो बीजी ने उससे कहा, "तू तो बड़ा नीसना (घुन्ना) निकला अपने आप बाहर जाने का प्रोग्राम बना लिया । "नीरद हक्का - बक्का । सारी बात जानते ही वह भड़क गया," मेरे लिए फैसला लेने का हक किसी को नहीं है चाहे कैनेडा हो, चाहे टिंबकटू, मैं कहीं नहीं जाऊँगा।" CO4

****